

[श्री रामानन्द यादव]

दुकान पर राशन लेने के लिए पहुंचा और कहा कि भाई तुम ऐसा क्यों करते हो, हम तो गरीब आदमी हैं, बाहर से खरीद कर खा नहीं सकते हैं, हाल ही में हमारे पिता जी जो सरकारी अफसर थे, उनको सक्का मार गया था, उनकी मृत्यु हो गयी है। दो-तीन साल से हम लोग बहुत परेशान हैं, हम तो जैक-मार्केट में खरीद करके खा नहीं सकते हैं। तुमने हमारे साथ ऐसा गलत काम क्यों किया ?

इस पर वह दुकानदार जगदीशचन्द्र बहुत नम्र हो गया। राशन का दुकान वाले ने कहा कि यहाँ से चले जाओ, हमने तुम्हारा राशन दे दिया है, तुम्हें राशन नहीं मिलेगा। लड़के ने कहा कि हम तो राशन लेकर जायेंगे। तब जगदीश चन्द्र दुकानदार अपने कुछ साथियों के साथ लोहे का छड़ लेकर आया और उस लड़के को छड़ से मारा... (व्यवधान) देखिये गांव दुकानदारी से इस तरह से दोस्ता करेंगे, तो काम नहीं चलेगा (व्यवधान) यह दिल्ली के भारे दुकानदार उनके ही लोग हैं। अब ऐसा किया कि... (व्यवधान)

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : बात क्या हुई ? मेरा निवेदन है कि तीन मिनट का स्पेशल सेशन है, और बाकी लोग बैठे रहते हैं। यह सैनियर सदस्य है, इस बात को कायदे से कह सकते थे। मेरा केवल इतना ही निवेदन है।

श्री रामानन्द यादव : आप जब कायदे से कहते हैं, तो हम भी सुनते हैं। आपका कायदा क्या है, मैं जानता हूँ, सारा सदन जानता है। आप उसे बचाने के लिए यह सब कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष जी, उध दुकानदार ने छड़ से उस लड़के का सिर फोड़ दिया। वह सफदरजंग अस्पताल में भरती हुआ, दो दिन के बाद रिहा हो गया। उस दुकानदार ने जिसका यह नाम था, उसका नाम था...

रिकों ने, करीब करीब चार-पांच सौ आदमियों ने दस्तखत करके कम्प्लेंट दिया था।... उसकी दुकान कुछ दिनों के लिये बंद कर दी गयी थी लेकिन पैसे के बल पर वह बराबर अपनी दुकान खुलवा लेता है, जैसा आप, उपसभाध्यक्ष जी, जानते हैं। मैं चाहता हूँ कि जल्द से जल्द उसकी दुकान कैसिल कर दी जाय और पुलिस मुहकमे के लोग जा के उसकी ऊपर किया गया है उस को चालू करें। आज पुलिस वाले उस लड़के पर दवात डाल रहे हैं कि तुम फास्त्रोमा-इज लो, केस में कुछ है नहीं, यह पैसे वाला है, यही के लोभो को एप्रोच करेगा और भद्रिक जैसे आदमी जाकर खुशामद करेंगे कि उसका केस रफा-टफा कर दिया जाय। (व्यवधान) माफ बचिण, उही आप लोगों का प्रेण है।

श्री सत्यपाल मलिक : आप हा निमिस्टर है, आपका सरकार है, आपकी पुलिस है, आप जो चाहे कर सकते हैं, फिर भी आप सदन का वक्त अनव्युत्तर बर्बाद कर रहे हैं।

श्री रामानन्द यादव : ... उसको या उसके किसी आदमी को दुकान नहीं मिलनी चाहिए।

REFERENCE TO THE ELOUO HAVOC IN TRIPURA

SHRIMATI ILA BHATTACHARYA (Tripura): Mr. Vice-Chairman, the situation in Tripura due to flood havoc is very grave, very serious. About five lakh people are affected due to the flood. Recently Tripura has been severely affected by floods. Vast areas of land have been inundated. Thousands of people have been rendered homeless and massive destruction

d to property. Road communication is seriously disrupted. Assam-Agartala road, Tripura's only link, with the rest of the country, is unusable due to over 60

heavy la Almost all district and sub divisional towns are cut off from the State capital. It has been impossible to move foodgrains from one part of the State to another. The food situation in the State has, therefore, become alarming now. In this connection the Chief Minis-

ter of Tripura had sent a radiogram on 21st June, 1983 to the Prime Minister and had emphasized the need for building up stocks, particularly in the inaccessible areas of the State. This has been followed up by numerous communications to the Food and Civil Supplies Minister both at the political and at the administrative levels. Unfortunately the Centres response was most unsympathetic. Today we in Tripura find ourselves in the most helpless condition due to the unhelpful attitude of the Centre, especially the Food and Civil Supplies Ministry. It has not been possible to build stocks anywhere in the State. With all communications cut off, we find that in most of the areas there is hardly three days' stock of food-grains available. I regret that due to the inability of the Food and Civil Supplies "Ministry to appreciate the realities, the people of the State are now suffering. Tripura needs assistance from the Centre for relief work at this juncture. I want to remind the Government that in the first week of July the State had witnessed another flood causing widespread damage and the State Government had to spend about Rs. 40 lakhs on relief works. No Central team visited Tripura at that time to assess the loss and recommend assistance. Therefore, I urge upon the Government to send a Central team immediately for this purpose and rush immediate food-grains and other help to the State. Thank you.

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK
(Orissa): Sir, I endorse what she has
said. The Centre should immediately
supplies io

SHRI ARABINDA GHOSH (Wed
Bengal): Sir, the concerned Minister
should not go to the hill road to Tefitara
(Tefitara = ?).

THE VICTORIAN MAN (1911) R. R.
MORRIS; 60 pp., 10 s.

REFERENCE TO THE REPORTED
MALADMINISTRATION IN HINDU-
STAN SALES LIMITED

श्री हरी संन्य आसना (नवस्थान) :
उपसमाप्तमस्तु मन्त्रोक्तं, जपने माहात्म्यं ते

मैं सरकार का ध्यान राजस्थान में नमक बनाने का जो सब से बड़ी झील है, सांभर झील, जिस में लगभग 1 करोड़ रुपये का नमक का जो नुकसान हुआ है उस की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। यह नमक उत्पादन का काम हिंदुस्थान साल्ट के नाम से होता है जिस में 51 प्रतिशत शेयर केन्द्रीय सरकार के है और 49 प्रतिशत शेयर राजस्थान सरकार के हैं। वो हजार टन नमक इस में पैदा होता है प्रति दिन। पिछले बार 1975 में भी इसी प्रकार वहाँ वर्षा हुई थी और उसके बाद लगभग 3 साल तक नमक बनाने का काम बन्द रहा। इस बार फिर से वहाँ स्थिति पैदा हो गयी है और लगभग तीन हजार मजदूरों को बेकार हो जाने की संभावना पैदा हो गई है। मान्यवर यह जो नुकसान हुआ है इसके लिये वहाँ जो प्रबन्ध निश्चित है वह जो जिम्मेदार हैं क्योंकि कायदे से यह नमक उत्पादन का काम 30 मई को बन्द होकर 30 जून तक सारा नमक जो झील में रहता है उसको वहाँ से हटा कर बाहर भेज दिया जाता है। यदि वहाँ के प्रबन्ध निदेशक ने जब कि इस बार वर्षा पहले से खेट हुई झील में 25 से 28 के बीच में ही वर्षा हुई, तब तक नमक उठाया नहीं गया था और वहाँ कुछ मजदूरों को परेशान करने के लिये उन पर मजदूरों को भरा बैठा दिया गया और इस कारण नमक वहाँ पड़ा रहा। इस प्रकार मैं मान्यवर को यह सब बातें बताना चाहता हूँ।

कहते हैं कि वह एक बहुत ही बुरा व्यक्ति है।
उन्होंने उसे पकड़ लिया और उसे जेल में भेज दिया।
कुछ दिनों बाद उसे जेल से निकाल दिया गया।
लेकिन प्रत्यक्ष निवेदन को नहीं माना।
मझे यह बताया गया है कि वह किसी